Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding demand for Ahir Regiment in Army

श्री दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' (आज़मगढ़) : सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति : कोई गीत सुनाना चाहें तो सुना सकते हैं।

श्री दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' : सभापति जी, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। मैं जिस मुद्दे पर बात करने वाला हूं, वह एक बहुत लंबे समय से चल रही मांग है। भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग बहुत लंबे समय से चल रही है। हम सभी जानते हैं कि सेना में अलग-अलग जाति, धर्म, सम्प्रदाय और राज्य के योगदान, बलिदान को ध्यान में रखते हुए, उनके सम्मान में उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए अलग-अलग राज्य, धर्म, सम्प्रदाय तथा जाति के नाम पर सेना में रेजिमेंट बनी हैं। ये अहीर रेजिमेंट की मांग बिल्कुल जायज है।

मैं सरकार से यह निवेदन करता हूं कि सेना में जल्दी से जल्दी अहीर रेजिमेंट का गठन किया जाए। ... (व्यवधान) मैं थोड़ी बात और बताना चाहता हूं। जिस दिन इस अहीर रेजिमेंट का गठन होगा, चाइना की रूह कांप जाएगी। ... (व्यवधान) सभापति जी, मैं उसका कारण एक सेकण्ड में बता देता हूं। सन् 1962 के युद्ध में रेजांगला चौकी पर 124 अहीर जवान तैनात थे। उन्होंने 100-200 नहीं, तीन हजार चीनी सैनिकों को मारा और चाइना ने यह कहा कि ये अति वीर हैं, इनको हराना मुश्किल है। धन्यवाद।